महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA, UJJAIN

वार्षिक प्रतिवेदन

(ANNUAL REPORT)

सत्र 2022 – 2023

विक्रम सम्वत् 2079 – 2080

(1 जुलाई 2022 - 30 जून 2023)

प्रकाशक

कुलसचिव

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA, UJJAIN

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश)- 456010

Email: regpsvvmp@rediffmail.com, **Website:** www.mpsvv.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन
(ANNUAL REPORT)

संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) क्रमांक 15 सन् 2008 द्वारा मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। अपने स्थापना वर्ष से वर्तमान सत्र तक इस विश्वविद्यालय को स्थापित हुए कुल 14 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है। यह विश्वविद्यालय सकारात्मक सृजन एवं उत्कर्ष की मूल भावना के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रोत्थान के नैतिक उत्तरदायित्व निभाने में सक्षम नागरिकों के निर्माण हेतु कृतसंकल्प है। भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धान्तों में निहित ज्ञाननिष्ठ, समावेशी, उदात्त, सहिष्णु एवं सार्वभौमिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित यह विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। संस्कृतभाषा, प्राचीन शास्त्र परम्परा, भारतीय शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यपरक अध्ययन-अध्यापन, अनुसन्धान तथा गवेषणा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान सत्र के क्रियाकलापों सहित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष दिनांक01 जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक का वार्षिक प्रतिवेदन महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, अधिनियम (2006) क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 43 के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

(डॉ. दिलीप सोनी)

कुलसचिव

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न तथा आदर्शवाक्य

प्रतीकचिह्न – महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु एक प्रतीकचिह्न को स्वीकार किया गया है। इस प्रतीक चिह्न में आभायुक्त देदीप्यमान सूर्य, महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर,कलश एवं ध्वजा विद्यमान है। चिह्न के मध्य में प्रफुल्लित पद्मपुष्प (कमल पुष्प), पद्मपत्र (कमल के पत्ते), वाम एवं दक्षिण दिशा की ओर मुख किये हुए हंसयुगल विद्यमान हैं जो कि निर्मल प्रवाहमान जलधारा में स्थित हैं।

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न भारतीय चिन्तनसरणि, उदात्तमनीषा, सत्संकल्प तथा दिव्यसंस्कार को अभिव्यञ्जित करता है। आभायुक्त सूर्य की दिव्य कान्ति सत्य एवं ज्ञान के प्रकाश तथा तप की द्योतक है। महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर श्रेष्ठता,उत्कर्ष एवं उन्नति तथा कलशज्ञानामृत के संग्रह एवं संरक्षण का परिचायक है। प्रवाहमान ध्वजा उत्साह, ओज एवं प्रसार की सूचक है। प्रफुल्लित कमलपुष्प विविधता में एकात्मता के साथ समृद्धि, पवित्रता, सौन्दर्य तथा सुगन्ध का सन्देश दे रहा है। कमलपत्र निष्काम कर्मयोग एवं समर्पण भाव को अभिव्यक्त कर रहे हैं। हंसयुगल सौम्यता, शुभ्रता, गुणग्राहिता, विवेकशीलता एवं ज्ञान-विज्ञान के परिचायक हैं तथा प्रवाहमान निर्मल जलधारा शास्त्रपरम्परा एवं संस्कृति को अविरल प्रवाहमान रखने, अग्रसारित करने एवं दोष रहित रखने की द्योतक है।

आदर्शवाक्य– विश्वविद्यालय का आदर्श एवं ध्येय वाक्य **''संस्कृतं नाम दैवीवाक्''** है। यह आदर्श वाक्य महाकवि दण्डीकृत काव्यादर्श के प्रथम परिच्छेद की 33वीं कारिका का प्रथम चरण है, जिसका भावार्थ है - "महर्षियों ने संस्कृत भाषा को दिव्यवाणी कहा है"। संस्कृत भाषा पूर्णत: शुद्ध, परिष्कृत, दोष रहित एवं संस्कार युक्त है। अत: दैवी (दिव्य) भाषा है, जिसके व्यवहार मात्र से व्यक्ति देवत्व को प्राप्त होता है।

इस प्रकार विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न स्वत: अध्यात्म, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, परम्परा, उत्साह, समृद्धि, विवेक तथा संस्कृति के प्रवास का दिव्य समन्वय है।

लक्ष्य वाक्य

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के जनक और अधिष्ठाता यह संकल्प लेते हैं कि यह विश्वविद्यालय शास्त्रीय मर्यादा की रक्षा करते हुए देव भाषा संस्कृत तथा उससे निष्पन्न अन्य भाषाओं एवं उनके साहित्य, उनमें उपलब्ध प्राचीन ज्ञान के विशाल सागर जिसमें वैदिक साहित्य और वेदांग तथा उन पर विकसित सम्पूर्ण आगमिक साहित्य, प्राचीन विज्ञान जैसे आयुर्वेद, ज्योतिर्विज्ञान, भूमिति, गणित, रसायनशास्त्र, धातुशास्त्र, ऋतुविज्ञान, विमानशास्त्र, युद्धशास्त्र, अश्वशास्त्र, प्राचीन प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र तथा पंच भूतात्मक पर्यावरण से सम्बन्धित विज्ञान, स्थापत्य, वास्तुशिल्प, दृश्य, अभिनय तथा श्रव्य कलाएँ, दण्डनीति तथा अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, प्राचीन प्रशासनिक एवं नैयायिक विधान, पारम्परिक इतिहास, सभ्यताओं के आरोह-अवरोह तथा दर्शन की सभी शाखाओं वैदिक-अवैदिक, भारतीय तथा पश्चिमी का संरक्षण, समुन्नयन एवं प्रचार-प्रसार करेगा, जिससे वैश्विक ज्ञान का क्षितिज विस्तृत हो एवं वर्तमान वैश्विक समाज के समक्ष सामाजिक और सारस्वत स्तर पर जो प्रश्न आज खड़े हुए हैं, उनके समुचित उत्तर प्राप्त हो सकें, जिससे स्पष्टतर दिशाओं के उद्घाटन से अधिक सामंजस्यपूर्ण जगत् एवं सुखी मानवता के लिये मार्ग प्रशस्त हो सके। इस प्रयोजन के लिये विश्वविद्यालय अपने परिसर में तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के माध्यम से वैश्विक मानदण्ड अपनाते हुए अध्ययन, अध्यापन और शोध सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना एवम् आरम्भ

1. संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस हेतु शासन द्वारा "महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) (क्रमांक 15 सन् 2008)" के अन्तर्गत (15 अगस्त 2008) को 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' उज्जैन की स्थापना की गई।

2. स्थापना के उपरान्त दिनांक 17 अगस्त 2008 को मध्यप्रदेश राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री डॉ. बलराम जाखड़ द्वारा विश्वविद्यालय का विधिवत् शुभारम्भ किया गया। उज्जैन के देवास मार्ग स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर में शुभारम्भ विधि को सम्पन्न किया गया जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

3. क्षिप्रांजलि न्यास की भूमि में स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर के भवन में किराया अनुबन्ध के आधार पर कक्षों को आवंटित कर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय दिनांक 17 अगस्त 2008 से विधिवत् प्रारम्भ किया गया। प्रशासनिक कार्यों के अतिरिक्त स्थान की उपलब्धता के आधार पर अध्ययन-अध्यापन आरम्भ करने की दृष्टि से इसी भवन में छात्रों के उपयोग हेतु पुस्तकालय एवं शैक्षणिक कार्यों की गतिविधियाँ भी आरम्भ की गई।

4. विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सुरम्य परिसर निर्माण एवं शैक्षणिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा उज्जैन नगर के देवास मार्ग पर सीमान्त ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर (25 एकड़) भूमि का आवंटन किया गया। विश्वविद्यालय के लिए आवण्टित भूमि का अवलोकन एवं भूमि पूजन मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री शिवराजसिंह चौहान के कर-कमलों द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2009 को सम्पन्न हुआ।

5. विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल सिद्धान्तों को विस्तारित करने के उद्देश्य से दिनांक 25.03.2010 को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा **'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय,** उज्जैन के अधिनियम में **'एवं वैदिक'** शब्द को जोड़ने के सम्बन्ध में संशोधन प्रस्ताव पारित किया गया। उक्त संशोधन पारित होने के उपरान्त इस विश्वविद्यालय का नाम 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' के स्थान पर **'महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय'** हुआ।

विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्य

- विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्यों के लिए मध्यप्रदेश राज्य शासन से भवन निर्माण, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, विद्युतीकरण आदि सम्पूर्ण परिसर के विकास हेतु देवास मार्ग स्थित उज्जैन नगर के सीमान्त भाग में ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया गया है।
- भूमि का सर्वे कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् वास्तुविद् (आर्किटेक्ट) द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि का परीक्षण कर अधोसंरचना विकास हेतु प्रकल्प विन्यास (Concept Planning), शिल्प विन्यास (Architectural Drawing) एवम् अधिविन्यास (Layout) तैयार किया गया है, जिसके अनुसार परिसर में निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं।
- मध्यप्रदेश शासन के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलाधिपति जी के द्वारा दिनांक 18 जून 2010 को देवास मार्ग स्थित विश्वविद्यालय परिसर का विधिवत् शिलान्यास सम्पन्न किया गया।
- प्रारम्भिक तौर पर विश्वविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं स्थापना हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा पाँच (05) करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी। उक्त राशि से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भिक निर्माण कार्य किए गये हैं, जिनमें भूमि विकास कार्य, आर.सी.सी. एप्रोच रोड, भूमि का समतलीकरण, परिसर की बाउन्ड्रीवॉल, यूटिलिटी ब्लॉक, पार्किंग शेड, शिक्षण हेतु पाँच कक्ष, पतंजलि छात्रावास आदि का निर्माण कार्य शासकीय निर्माण संस्था द्वारा पूर्ण किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय परिसर में अधोसंरचना विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए रु. 68.5 करोड़ के अनुदान हेतु प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे। प्रथम चरण में रु.19 करोड़ का अनुदान स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा गया था जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सन् 2008 में मात्र रुपये 5 करोड़ का स्थापना अनुदान ही प्रदान किया गया था। शासन द्वारा प्रदान किये गये उक्त अनुदान के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास व निर्माण कार्यों हेतु अन्य कोई भी अनुदान शासन द्वारा अभी तक प्रदान नहीं किया गया है।

❖ वर्ष 2021-22 में विद्यालय परिसर में योगेश्वर श्रीकृष्ण भवन का निर्माण कार्य राशि रूपये 48 लाख की लागत से 5 करोड़ रूपये के स्थापना अनुदान से करवाया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति के रूप में डॉ. मोहन गुप्त (आय.ए.एस. एवं पूर्व सम्भागीय कमिश्नर, उज्जैन) को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान माननीय कुलपतिगणों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	कुलपति का नाम	दिनांक से	दिनांक तक
1.	डॉ. मोहन गुप्त	**17.08.2008**	**29.08.2011**
2.	प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी	**30.08.2011**	**11.02.2015**
3.	प्रो. रमेशचन्द्र पण्डा	**12.02.2015**	**11.02.2019**
4.	प्रो. आशा शुक्ला (प्रभारी)	**20.02.2019**	**08.03.2019**
5.	डॉ. पंकज एल. जानी	**08.03.2019**	**18.01.2021**
6.	डॉ. अखिलेश कुमार पाण्डेय	**19.01.2021**	**21.08.2021**
7	प्रो. विजयकुमार सी.जी.	**21.08.2021**	निरन्तर

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलसचिव के रूप में डॉ.बी.एल. बुनकर को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान कुलसचिवों का विवरण अधोलिखित है –

क्र.	**कुलसचिव का नाम**	**दिनांक से**	**दिनांक तक**
1	डॉ. बी. एल. बुनकर	**17.08.2008**	**10.06.2010**
2	श्री मनोज कुमार तिवारी	**10.06.2010**	**24.06.2015**
3	श्री राकेश कुमार चौहान	**01.09.2015**	**10.07.2018**
4	श्री मनोज कुमार तिवारी	**24.07.2018**	**13.03.2019**
5	श्री एल.एस. सोलंकी	**13.03.2019**	**12.01.2021**
6	डॉ. प्रशान्त पुराणिक	**13.01.2021**	**06.08.2021**
7	डॉ. दिलीप सोनी	**06.08.2021**	निरन्तर

इसके अतिरिक्त वर्ष 2011-2015 तक उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा नियुक्ति प्राप्त उपकुलसचिव के रूप में **डॉ. ए.वी. राव** पदस्थ रहे, जिन्होंने परीक्षा एवं प्रशासन के दायित्वों का निर्वहन किया।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा (10) के अनुसार विश्वविद्यालय के प्राधिकारी निम्नलिखित हैं –

(1) साधारण परिषद्
(2) कार्यपरिषद्
(3) विद्यापरिषद्
(4) वित्त समिति, और
(5) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जो विनियमों द्वारा विहित किये जायें।

साधारण परिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय (2006) क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 11(1) के अनुसार विश्वविद्यालय की साधारण परिषद् का गठन किया गया है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं–

एक - पदेन सदस्य

(एक)	मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री		अध्यक्ष
(दो)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	उपाध्यक्ष
(तीन)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का भारसाधक मन्त्री	-	सदस्य
(चार)	विश्वविद्यालय का कुलपति		-सचिव
(पाँच)	मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(छ:)	मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव	-	सदस्य
(सात)	आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश		सदस्य

दो – नाम निर्देशित सदस्य

(आठ) मध्यप्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से संस्कृत अध्यापक/ आचार्य के छह प्रतिनिधि, जो संस्कृत में चर्चा या विचार-विमर्श में भाग लेने में समर्थ हों।

(2) खण्ड (आठ) के अधीन सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएँगे।

विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 (1) उपधारा (2) तथा (3) के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए साधारण परिषद् के सदस्यों की पदावधि चार वर्ष है।

वर्तमान में साधारण परिषद् में नाम निर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 03/11/2015 को पूर्ण हो चुका है। नवीन सदस्यों का नामनिर्देशन किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यपरिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 16 (1) के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का गठन किया गया है। कार्यपरिषद् विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यकारी निकाय है। विश्वविद्यालय का प्रशासन, प्रबन्धन तथा नियन्त्रण और उसकी आय, कार्यपरिषद् में निहित है, जो विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों को नियन्त्रित और प्रशासित करती है। सत्रान्त में कार्यपरिषद् में निम्नलिखित स्वरूप में विद्यमान रही :-

क्र.	नाम	पता	पद
1	प्रो. विजयकुमार सी.जी.	कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)	अध्यक्ष (चेयरमेन)
2	साधारण परिषद् के दो सदस्य	-	-
3	प्रमुख सचिव	उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन	पदेन सदस्य
4	प्रमुख सचिव	वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन	पदेन सदस्य
5	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
6	डॉ. संकल्प मिश्र	असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
7	श्री राजेन्द्र झालानी (अनारक्षित प्रवर्ग)	165, शिवकृपा, अलखबाग नगर, उज्जैन (म.प्र.)	सदस्य
8	श्रीमती किरण शर्मा (अनारक्षित प्रवर्ग)	एफ-2/28, विक्रम विश्वविद्यालय आवास गृह, उज्जैन	सदस्य

9	श्रीमती विद्या जोशी (अनारक्षित प्रवर्ग)	प्राचार्य, श्री राज राजेन्द्र जयंतसेन सुरि शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन	सदस्य
10	श्री भरत बैरागी (अन्य पिछड़ा प्रवर्ग)	यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, साक्षी पेट्रोल पम्प के सामने,रतलाम	सदस्य
11	श्री सुशील वाडिया (अनुसूचितजाति प्रवर्ग)	बी. 18/2, नेहरु नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन	सदस्य
12	श्री केसरसिंह चौहान (अनुसूचितजनजाति प्रवर्ग)	4, दीनदयालपुरम कॉलोनी, दहाना जिला - धार (म.प्र.)	सदस्य
13	डॉ. दिलीप सोनी	कुलसचिव,महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	सचिव

मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई जी पटेल के आदेशानुसार राज्यपाल के उपसचिव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र क्रमांक एफ-16-1/2014/रास/यू.ए.-4/237 दिनांक 10 फरवरी 2022 के आदेशानुसार विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 की धारा (17) की उपधारा

(2) की कण्डिका (छ:) में प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए माननीय कुलाधिपति द्वारा कार्यपरिषद् में निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम निर्दिष्ट किये गये है –

* **अनारक्षित वर्ग –**

1- श्री राजेन्द्र झालानी आत्मज श्री बद्रीलाल झालानी
165, शिवकृपा अलखबाग नगर, उज्जैन

2- श्रीमती किरण शर्मा पति डॉ. रमण सोलंकी
एफ-2/28, विक्रम विश्वविद्यालय आवास गृह, उज्जैन

3- श्रीमती विद्या जोशी पति श्री दिलीप जोशी
प्राचार्य, श्री राज राजेन्द्र जयंतसेन सुरि शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन

* **अनुसुचित जनजाति वर्ग –**

1- श्री केशर सिंह चौहान
4, दीनदयालपुरम कालोनी (दहाना) जिला धार

* **अनुसूचित जाति वर्ग –**

1- श्री सुशीला वाडिया आत्मज श्री अशोक वाडिया
बी. 18/2, नेहरु नगर, नानाखेडा, उज्जैन

* **अन्य पिछड़ा वर्ग –**

1- श्री भरत बैरागी
यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, पेट्रोल पम्प के सामने, रतलाम

(विद्यापरिषद्)

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) की धारा 23(1) के अन्तर्गत गठित 'विद्यापरिषद्' विश्वविद्यालय के शिक्षण, शिक्षा तथा परीक्षा मानकों पर नियन्त्रण रखती है। यह परिषद् विद्यासम्बन्धी प्रस्तावों पर विचार कर कार्यपरिषद् को अनुशंसा करती है।

वित्त समिति

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) की धारा 26(1)के अन्तर्गत गठित 'वित्त-समिति' विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट का परीक्षण और उसकी संवीक्षा और वित्तीय मामलों में कार्यपरिषद् को अनुशंसाएँ करती है तथा नवीन व्ययों के लिए समस्त प्रस्तावों पर विचार कर कार्यपरिषद् को अनुशंसा करती है। यह विश्वविद्यालय की वित्त सम्बन्धी मामलों की प्रधान समिति है।

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था

- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग की नियुक्ति हेतु दिनांक 31.08.2008 को स्टाफिंग पेटर्न शासन को भेजा गया था। इसमें 50 शैक्षणिक तथा 223 गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति हेतु शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 29.03.2010 को प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के समक्ष उनके कक्ष में आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, अपर सचिव, राजभवन तथा तत्कालीन कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की संयुक्त बैठक में 30 शैक्षणिक एवं 17 गैर-शैक्षणिक पदों हेतु वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने स्वीकृति प्रदान की थी। तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ-1-11/3-38, दिनांक 10/08/2010 द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

शैक्षणिक -

क्र.	पद का नाम	पद
1	प्रोफेसर	05
2	एसोसिएट प्रोफेसर	10
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	15
	कुल पद	30

गैर-शैक्षणिक -

क्र.	पद का नाम	पद
1	कुलपति	01
2	कुलसचिव	01
3	वित्त अधिकारी (म.प्र. राज्य वित्त सेवा से)	01
4	स्टेनो	01
5	सहायक ग्रेड 3	03
6	भृत्य	04
7	सुरक्षाकर्मी एवं चौकीदार (कलेक्टर दर पर)	02
8	विश्वविद्यालय अभियंता (प्रतिनियुक्ति पर)	01
9	ड्रायवर	02
10	स्वीपर (कलेक्टर दर पर)	01
	कुल पद	17

उपर्युक्त सारणी में प्रदर्शित शैक्षणिक पदों पर में से 8 पदों की पूर्ति की जा चुकी है तथा शेष 22 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रस्तावित है।

गैर शैक्षणिक पदों में से 7 गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं। 02 पदों पर कुलपति एवं कुलसचिव कार्यरत रहे। मध्यप्रदेश राज्य वित्त सेवा से वित्त नियन्त्रक के पद पर सेवारत अधिकारी विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। शेष पदों को पुनः विज्ञापित किया जाना प्रस्तावित है।

विश्वविद्यालय के विविध संकायों के अन्तर्गत संचालित विभागों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में निम्नलिखित प्राध्यापक कार्यरत हैं :-

क्र.	नाम	पद
1.	डॉ. तुलसीदास परौहा	ऐसोसिएट प्रोफेसर (साहित्य)
2	डॉ. श्रीमती पूजा उपाध्याय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भारतीय दर्शन)
3	डॉ. शुभम् शर्मा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ज्योतिर्विज्ञान)
4	डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (नव्यव्याकरण)
5	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर(सिद्धान्त ज्योतिष)
6	डॉ. संकल्प मिश्र	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शुक्लयजुर्वेद)

7	डॉ. अनिल मुवेल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (साहित्य)
8	डॉ. अजय राठी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (पुराणेतिहास)

विश्वविद्यालय की माननीय विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के निर्णय उपरान्त आदेश क्रमांक पासं.वि/स्थापन/कु.स./338, दिनांक 19.06.2018 के आदेशानुसार संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर के पद को परिवर्तित

कर (निदेशक प्रोफेसर) के रूप में भरा गया। उक्त पद पर दिनांक 19.06.2018 से डॉ. मनमोहनलाल उपाध्याय निदेशक (प्रोफेसर) के रुप में कार्यरत थे।

माननीय राज्यपाल के अनुमोदन पश्चात मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय के पत्र क्रमांक 778/320/2021/38-3, दिनांक 24.06.2022 द्वारा डॉ. मनमोहन उपाध्याय की निदेशक पद पर नियुक्ति की त्रुटिपूर्ण कार्यवाही को अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा डॉ. मनमोहन उपाध्याय जो कि निदेशक संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में कार्यरत थे कि नियुक्ति को शासन के आदेश उपरान्त कार्यपरिषद् की अनुशंसा पर विश्वविद्यालय प्रशासन के आदेश क्रमांक पा.सं.वि./स्था./ 22/205, दिनांक 21.07.2022 द्वारा निरस्त/शून्य घोषित किया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी विज्ञापन क्रमांक पा.सं.वि.वि./स्था./2022/1522, दिनांक 30.03.2022 के द्वारा विज्ञापित पदों में आदेश क्रमांक म.पा.सं.वि.वि./विद्या/अकादमिक/ 23/3027, उज्जैन दिनांक 04.05.2023 के द्वारा से 02 अनुसूचित जनजाति (बैकलॉग) के पदो पर डॉ. अनिल मुवेल (सहायक प्राध्यापक, विषय साहित्य) एवं डॉ. अजय राठी (सहायक प्राध्यापक, विषय पुराणेतिहास) ने दिनांक 08.05.2023 को विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया।

गैर-शैक्षणिक पदों में सहायक ग्रेड-3 पद हेतु 01,भृत्य पद हेतु 04 तथा वाहन चालक पद हेतु 02 कर्मचारी वर्तमान वर्ष में कार्यरत रहे। विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चलाने हेतु राज्य शासन से स्वीकृत पदों के अतिरिक्त गैर-शैक्षणिक पद सृजित करने का अनुरोध किया गया है। जिस पर शासन का निर्णय अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय आदेश क्रमांक पा.सं.वि.वि./कु.स./स्था./23/3369, उज्जैन दिनांक 26.06.2023 के माध्यम से मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल के ज्ञाप क्रमांक/एफ-5-1/2013/1/3, भोपाल, दिनांक 07.10.2016 के क्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत 10 कुशल एवं 02 अर्द्धकुशल दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायीकर्मी घोषित किया गया।

विश्वविद्यालय में प्रतिवेदनाधीन अवधि में प्रशासनिक व्यवस्था निम्नानुसार रही:-

क्र.	**प्रशासनिक पद**	**अधिकरी का नाम**	**कार्यकाल की स्थिति**
1.	कुलपति	प्रो. विजय कुमार सी.जी.	21.08.2021 से निरंतर
		प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय	19.01.2021 से 21.08.2021 तक
		डॉ. पंकज एल. जानी	08.03.2019 से 18.01.2021 तक
2.	कुलसचिव	डॉ. दिलीप सोनी	06.08.2021 से निरंतर
		डॉ. प्रशान्त पुराणिक	13.01.2021 से 05.08.2021 तक
		डॉ. एल. एस. सोलंकी	13.03.2019 से 12.01.2021 तक
3.	वित्त नियंत्रक	श्री दिनेश चौरसिया	19.01.2022 से निरंतर
		श्री आदित्य नागर	07.10.2020 से 18.10.2022 तक
		श्री एच. एस. गेहलोत	28.07.2019 से 30.09.2020 तक

परिसर विकास की योजनाओं का वित्तीय अनुमान

राज्य शासन की नीति अनुरूप संस्कृत विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की भवन निर्माण तथा परिसर विकास की योजनाओं का आँकलन किया गया तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर राज्यशासन को वित्तीय प्रावधान करने तथा विश्वविद्यालय को तदनुसार धनराशि सुविधानुसार उपलब्ध हो सके, इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण तथा परिसर की आवश्यकता का प्रारम्भिक आँकलन विश्वविद्यालय के वास्तुविद् से कराया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक सुविधाओं, स्टाफ की सुविधाओं, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा परिसर के विकास के लिये लगभग रुपये 42 करोड़ का प्रारम्भिक व्यय आँका गया है। प्रस्तावित भवन निर्माण तथा परिसर विकास की संक्षिप्त रूपरेखा निम्नानुसार है:-

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDHYALAYA, UJJIAN		
SUMMARY		
S. No.	ITEM DESCRIPTION	AMOUNT
1	ACADEMIC FACULTIES	41119160/-
2	ADIMINISTRATIVE BLOCK	15913640/-
3	AUDITORIUM	20860480/-
4	GUEST HOUSE	19005072/-
5	RESIDENTIAL QUARTERS	54792968/-
6	STAFF(OFFICE)	15792440/-
7	REGISTERAR BUNGALOW	5646560/-
8	VICE CHANCELLOR BUNGALOW	8415840/-
9	BOYS HOSTEL	45864690/-
10	GIRLS HOSTEL	13470120/-
11	LIBRARY & SEMINAR HALL	31082160.63/-
12	BHARAT KA RANGMANCH	6568650/-
13	VEDH SHALA	15536700/-
14	CLUB HOUSE	436130/-
15	DISPENCERY	1977345/-
16	CONVENIETNT SHOPPING	7258500/-
17	OPEN AIR THEATER	12605175/-
18	SWIMMING POOL	12459730/-
19	OUTER DEVELOPMENT	45106250/-
	TOTAL	377836610.63/-
	Add for Contingencies, Consultany, Work Charge Estabilishment @ 10.65%	40239599.03/-
	Grand Total	418076209.66/-
	Say Rs. In Cr.	41.81/-

विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) क्र. 15 सन् 2008 की धारा 24 (तीन) एवं 33 (ञ) के अन्तर्गत विनिर्मित परिनियम क्र. 15 के अनुसार प्रस्तुत प्रतिवेदन के सन्दर्भ में आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित संकायों का गठन किया गया था। विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 27.02.2023 के विषय क्रमांक 12 के निर्णय अनुसार तथा कार्यपरिषद् के अनुमोदनोपरांत विश्वविद्यालय की अधिसूचना क्रमांक म.पा.सं.वि./विद्या/अकादमिक/ 23/3800, दिनांक 18.08.2023 तथा विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 17.12.2021 के निर्णय क्रमांक 17 एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 04.03.2022 के निर्णय क्रमांक 03 के अनुसार विभागों के पुनर्गठन तथा उनके अन्तर्गत संचालित अधोनिर्दिष्ट विभागों में शिक्षण/अध्यापन कार्य जारी रहा:-

वेद वेदाङ्ग एवं साहित्य संकाय

1.1 वेद विभाग
1.2 व्याकरण विभाग
1.3 संस्कृत साहित्य विभाग
1.4 दर्शन विभाग
1.5 ज्योतिष विभाग
1.6 ज्योतिर्विज्ञान विभाग
1.7 वास्तु विभाग

दर्शन संकाय

1. न्याय दर्शन विभाग

कला संकाय

1. विशिष्ट संस्कृत विभाग

प्राचीन विज्ञान संकाय

1. योग विभाग

शिक्षा संकाय

1. शिक्षाशास्त्र विभाग
2. संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र

उपर्युक्त विभागों में सत्र 2022-23 में स्नातक स्तर पर शास्त्री/ बी.ए./ बी.ए. ऑनर्स/ बी.ए.बी.एड. एकीकृत तथा स्नातकोत्तर स्तर पर आचार्य/ एम.ए. तथा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 तथा संशोधित अनुसार विश्वविद्यालय में शोध एवं अनुसंधान पाठ्यक्रमों में विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) संचालित है।

विश्वविद्यालय की विविध समितियाँ

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रशासनिक, शैक्षणिक अकादमिक, वित्तीय एवं अन्य कार्यों के सुचारु रूप से संचालन एवं सम्पादन करने के लिए विश्वविद्यालय विनियमों/परिनियमों में विहित प्रावधान अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशासनिक आदेशानुसार विविध समितियों का विधिपूर्वक गठन किया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. **भवन समिति**
2. **आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)**
3. **क्रय समिति**
4. **मुद्रण एवं प्रकाशन समिति**
5. **छात्रावास स्थायी समिति**
6. **व्यथा निवारण समिति**
7. **महिला उत्पीड़न निवारण समिति**
8. **महिला विकास समिति**
9. **प्रवेश समिति**
10. **केन्द्रीय परीक्षा समिति**
11. **शोधोपाधि समिति (RDC)**
12. **विभागीय शोध समिति/शोध सलाहकार समिति**
13. **क्रीड़ा समिति**
14. **साहित्यिक समिति**
15. **आकादमिक समिति**
16. **सांस्कृतिक समिति**
17. **युवामहोत्सव आयोजन समिति**
18. **अनुसुचित जाति/जनजाति व्यथा निवारण समिति**
19. **ग्रन्थालयसमिति**

विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2022-2023

The list of Programmes offered in -2022-23 (25)

1. PG – Programmes (Totoal Count - 13)

Name of the Programme	Department	School
Acharya in Shuklayajurveda	Veda & Vyakarana	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Navya Vyakarana	Veda & Vyakarana	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Sahitya	Sanskrit Sahitya	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Falitajyotisha	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Siddhantajyotisha	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya

M.A. in Vastushastra	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya
M.A. in Jyotirvigyana	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Nyayadarshana	Darshana	Veda Vedanga and Sahitya
Acharya in Advaitavedanta	Darshana	Veda Vedanga and Sahitya
M.A. in Sanskrit	Vishishta Sanskrit	Kala
M.A. in Hindu Studies	Vishishta Sanskrit	Kala
M.A. in Yoga	Yoga	Prachin Vigyana
M.Sc. in Yogic Science	Yoga	Prachin Vigyana

2. UG – Programmes (Total Count - 9)

Name of the Programme	Department	School
B.A. B.ED.	Education	Education
Shastri in Shukla Yajurveda	Veda & Vyakarana	Veda Vedanga and Sahitya
Shastri in Navya Vyakarana	Veda & Vyakarana	Veda Vedanga and Sahitya
Shastri in Sahitya	Samskrit Sahitya	Veda Vedanga and Sahitya
Shastri in Falita Jyotisha	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya
Shastri in Siddhanta Yyotisha	Jyotisha & Jyotirvijnana	Veda Vedanga and Sahitya
Shastri in Nyaya Darshan	Darshan	Veda Vedanga and Sahitya
B.A. Honours in Sanskrit	Vishishta Sanskrita	Kala
B.A. Yogashastra	Yoga	Prachin Vigyana

3. PG – Diploma Programmes (Total Count - 2)

Programme Code	Name of the Programme	Credit	Department	School
PGD-PKR	PG Diploma Paurohitya Karmakanda	12	Veda & Vyakarana	Veda Vedanga and Sahitya
PGD-YOG	PG Diploma Yoga	12	Yoga	Prachin Vigyana

4. Ph.D. (in six subjects) (Total Count - 1)

वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार वर्तमान आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय संकायों के अंतर्गत संचालित विविध अध्यापन विभागों में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर तथा शोधोपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र-छात्राओं का विवरण अग्रिम पृष्ठ पर उल्लिखित है:-

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन म.प्र.

विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग

प्रवेश छात्र सूची 2022-2023

स्नातक

SL NO	PROGRAM	I	II	III	TOTAL
1.	Shastri	64	61	33	158
2.	B.A.	5	3	2	10
3.	TOTAL	69	64	35	168

SL NO	PROGRAM	I	II	III	IV
1.	B.A. B.ED.	13	15	18	22

SL NO	PROGRAM	I	II	TOTAL
1.	ACHARYA	40	31	71
2.	M.A.	89	60	149
3.	M.SC.	6		
4.	TOTAL	135	91	

चतुर्थ दीक्षान्त समारोह

आलोच्य सत्र में विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह दिनांक 24 मई 2023, बुधवार को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह मध्यप्रदेश शासन के माननीय शासन के उच्चशिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसन्धान संगठन, इसरो, बैंगलोर, कर्णाटक के माननीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीधर सोमनाथ के सारस्वतातिथ्य, माननीय सांसद उज्जैन-आलोट लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री अनिल फिरोजिया एवं उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पारसचन्द्र जैन के विशेष आतिथ्य में तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति माननीय आचार्य विजयकुमार सी.जी. की अध्यक्षता में प्रतिष्ठापूर्ण रूप से संपन्न हुआ। इस दीक्षांत में मानक उपाधि पंडित गंगाधर शास्त्री को प्रदान की गयी। सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय के वेद वेदाङ्ग एवं साहित्य संकाय, कला संकाय, दर्शन संकाय, एवं प्राचीन विज्ञान संकायों के पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले कुल 167 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं। विद्यार्थियों को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में इसरो के माननीय अध्यक्ष डॉ. श्रीधर जी सोमनाथ ने सारस्वत अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया तथा प्राचीन ग्रंथों में छिपा है, अंतरिक्ष अनुसन्धान का आधार रहस्य पर अपना व्याख्यान दिया।

माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री महोदय ने अपने दीक्षान्त उद्बोधन में समस्त उपाधि प्राप्तकर्ता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छात्र समाजकल्याण में शिक्षा का प्रयोग करें एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहें। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्रार्थ परम्परा के पुनर्जागरण हेतु प्रसन्नता व्यक्त की। छात्रों को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृतविद्या विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाती है। विश्वविद्यालय में डिग्री पाठ्यक्रमों के साथ ही डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों ने ग्रन्थ लिखे, यह अभिनन्दनीय है।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उच्चशिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव ने शोध कार्य को महत्व देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के भौतिक विकास के लिए हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं। इसी विचार को साकार करते हुए यथाशीघ्र विश्वविद्यालय के गरिमामयी स्वरूप के लिए शासन योजनारत है। सारस्वत अतिथि ने कहा कि दीक्षान्त के बिना शिक्षा व्यर्थ है। शिक्षा और दीक्षा दोनों आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने कहा कि विगत सत्र से छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।

विश्वविद्यालय के परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम (2006) क्रमांक 15 सन् 2008 में विहित प्रावधानों के अनुरूप विश्वविद्यालय के 19 परिनियम, 20 अध्यादेश तथा 8 विनियम तैयार कराये गये हैं तथा उन्हें विश्वविद्यालय की साधारण सभा के अनुमोदन की प्रत्याशा में समन्वय समिति एवं समन्वय समिति की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समन्वय समिति के समक्ष रखा जाकर उनका परीक्षण कर लिया गया है और समन्वय समिति की बैठक दिनांक 02.09.2010 में उनको प्रस्तुत हुआ मान लिया गया है। साधारण सभा की विगत बैठक दिनांक 20.11.2012 में इनका अनुमोदन हो गया है। परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम की सूची निम्नानुसार है:-

परिनियम (STATUTES) की सूची :-

1. Terms and conditions of service of the Vice-Chancellor.
2. Powers and dutiees of the Vice-Chancellor.
3. The Registrar- his emoluments and conditions of service, Powers and duties.
4. New pension scheme.
5. Convocation.
6. Honorary degree.
7. Admission of colleges/institutions to the privileges of the University and withdrawal there of.
8. College code.
9. Autonumous colleges.
10. Scales of pay of Professors, Readers and Lectures.
11. Administration of endowments.
12. Conditions of service for Unicersity empolyees.
13. Seniority of officers and employees of the University.
14. Appointent of examiners.
15. faculites and assignment of subjects to the Faculties.
16. Powers, functions, appointments and conditions of of service of Heads of the University Teching Departments/Institutes/Academic Units.
17. Building committee.
18. Establishment of University Teaching Departments & institution teaching posts.
19. Appointment of non-teaching employees.

अध्यादेश (ORDINANCES) की सूची

1. Admission of students to a college or University Teaching Department, transfer of students and maintenance of discipline.
2. Enrolment of students and their admission to courses of study.
3. Examinations (General)..
4. Conduct of examinations.
5. The conditions of the award of fellowships and scholarships.
6. Travelling allowance and daily allowance.
7. Semester system at postgraduate level.
8. Semester system at undergraduate lelel.
9. Doctor or philosopy/Vidhya Varidhi.
10. Maintenance of discipline among the students and Proctorial Board.
11. Institution of Emeritus Professorship, Honorary Professorship and Adjunct Honorary Professorship.
12. Examination and other fees.
13. Grading system in the examinations.
14. Degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions to be awarded by the University and qualifications for the same and the examinations leading to Degree, diplomas and certioficates.
15. Qualifications and conditions of appointement of techers of the University Teaching Departments.

16. Master of Philosophy. (M.Phil)
17. Diploma Courese.
18. Bechalor of Arts (Prachya Paddhati) classice.
19. Master of arts (classics) (Prachya Paddhati)
20. Shiksha Shastr (B.Ed)

विनियमों (REGULATIONS) की सूची

1. Annual Report
2. Function and duties of Finance Officer
3. Other officers of the University – condition of service, powers and duties
4. Preparation and maintenance of academic seniority lists
5. Seniority of teachers of the University
6. Seniority of Heads of departments in in affiliated colleges
7. Academic Planning and Evaluation Board

उपाधि विवरण

विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् सन् 2009-10 से परीक्षाओं का आयोजन प्रारम्भ किया। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। अतः प्रदेश के जो महाविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध थे, इस विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् वे समस्त महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गये। सम्बन्धित विश्वविद्यालयों द्वारा जिन उपाधियों की परीक्षा आयोजित की जा रही थीं, उन्हीं उपाधियों की परीक्षाएँ इस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। सम्प्रति इस विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है:-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	पद्धति	अवधि
1	शास्त्री/ बी.ए.	वार्षिक पद्धति	तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
2	शास्त्री शिक्षा शास्त्री (बी.ए.बी.एड. एकीकृत)	वार्षिक पद्धति	चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम
3	आचार्य/ एम.ए.	सेमेस्टर पद्धति	दो वर्षीय/चार सेमेस्टर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
4	पत्रोपाधि (डिप्लोमा)	वार्षिक पद्धति	एक वर्षीय पाठ्यक्रम
5	एम.फिल्.	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार
6	विद्यावारिधि (पीएच्.डी.)	-	यू.जी.सी. के नियमानुसार

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या					
	प्रबन्धन			विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त	
वर्ष	शासकीय	गैर-शासकीय	कुल	12 (बी)	2 (एफ)
2022-23	09	11	20	03	04

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची

1. शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
2. शासकीय अभयानंद संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)
3. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.)
4. शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल, जिला-सतना (म.प्र.)
5. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, जिला- पन्ना (म.प्र.)
6. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
7. शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र)
8. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इन्दौर (म.प्र.)

9. शासकीय मानमल मीमराज रुइया संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)
10. नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)
11. श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)
12. श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, वर्णी भवन, सागर (म.प्र)
13. श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
14. श्री ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
15. श्री राम संस्कृत महाविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
16. श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)
17. श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय,रावतपुरा धाम, लहार,जिला भिंड (म.प्र.)
18. श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय, गढ़ाकोटा, सागर (म.प्र.)
19. श्री मधुकर शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
20. श्री आद्या एज्यूकेशनल इन्स्टीट्यूट, उज्जैन (म.प्र.)

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्यापकों की स्थिति

महाविद्यालय	प्राचार्य		प्रोफेसर		रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर		लेक्चरर/असि. प्रोफेसरयोग		योग	
	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला	योग	महिला
20	**09**	**01**	**14**	**05**	**20**	**03**	**47**	**14**	**89**	**22**

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2022-23

पाठ्यक्रम	विषय	पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम की अवधि	प्रवेश की अन्तिम योग्यता	प्रवेश की प्रक्रिया	अध्यापन का चलन
आचार्य	संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र	स्नातकोत्तर	**2** वर्ष	शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत	प्रावीण्य	नियमित (सेमेस्टर/ वार्षिक पद्धति) एवं स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति)
आचार्य	शुक्लयजुर्वेद	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	नव्यव्याकरण	वही	वही	वही	वही	वही
आचार्य	फलितज्योतिष	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत –साहित्य	वही	वही	स्नातक या समकक्ष	वही	वही
एम.ए.	संस्कृत प्राच्य	वही	वही	वही	वही	वही
एम.ए.	ज्योतिर्विज्ञान	वही	वही	वही	वही	वही
शास्त्री	निर्धारित परीक्षा योजना के अनुसार	स्नातक	**3** वर्ष	उत्तरमध्यमा या समकक्ष	वही	वार्षिक पद्धति
बी.ए.	वही	स्नातक	**3** वर्ष	हायर सेकेण्डरी **(10+2)** या समकक्ष	वही	वही

विश्वविद्यालय के कार्यक्रम
सत्र 2022-23

❖ **शैक्षणिक भ्रमण**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन और कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर द्वारा किये गये अनुबंध के अंतर्गत रामटेक, नागपुर विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों के दल के साथ डॉ. उपेन्द्र भार्गव एवं डॉ. रामकुमारी के मार्गदर्शन में किया।

❖ **स्वतन्त्रता दिवस समारोह**

दिनाङ्क 15/08/2022 को विश्वविद्यालय परिवार द्वारा स्वतन्त्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने ध्वजारोहण के उपरान्त विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित किया। राष्ट्र के बलिदानियों को स्मरण करते हुए देशभक्ति की संकल्पना को उद्धरित किया।

❖ **स्थापना दिवस समारोह**

दिनांक 17 अगस्त 2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का 14 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल आदरणीय मंगूभाई पटेल ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम में वैदिक मंगलाचरण वेद विभाग के प्राध्यापक डॉ. अंकित शाण्डिल्य द्वारा किया गया तथा अतिथियों द्वारा दीप दीपन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय की उन्नति, शिक्षण पद्धति एवं संस्कृत की महत्ता पर प्रकाश डाला। कुलपति जी ने प्रस्ताविक भाषण प्रस्तुत कर सभा को सम्बोधित किया। कुलपति जी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में संस्कृति, संस्कार एवं राष्ट्र का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। शिक्षा जन-जन तक पहुँचे तथा छात्रगण किसी भी विषय का ज्ञान कर सकें इस उद्देश्य से हम अपने विश्वविद्यालय को परिष्कृत कर रहे हैं। कुलपति जी ने पूर्व कुलपतियों का स्मरण किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव ने सम्बोधित किया तथा सारस्वत अतिथि के रूप में पद्मश्री चम्मूकृष्ण शास्त्री तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक उज्जैन उत्तर श्री पारस जैन एवं पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के सभापति श्री भरत बैरागी विशेष रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, विद्या परिषद् के सदस्य, कार्य परिषद् के सदस्य, छात्रगण एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

❖ **वेदनारायण पूजन**

दिनाङ्क 11.08.2022, रक्षाबन्धन को संस्कृत दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. तथा कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी जी के संयोजन में वेद-पूजन के कार्यक्रम का आयोजन किया। वेद-पूजन विभाग के प्राध्यापक डॉ. संकल्प मिश्र एवं डॉ. अंकित शाण्डिल्य के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी प्राध्यापकगण, छात्र एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

❖ **हिन्दी दिवस**

दिनांक 14 सितंबर 2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. जी ने की। आयोजित कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा किया गया। छात्रों ने स्वरचित विविध कविताओं का पाठ किया। शोध छात्रों ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय के अध्यापकों ने भी विचार व्यक्त किये। कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया तथा हिन्दी जो कि मात्र भाषा है उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपतिजी ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार में लगे अन्य भारतीय भाषाओं के विद्वानों का स्मरण किया और छात्रों को उनके व्याख्यान और कविताओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक छात्र उपस्थित रहे।

❖ **गाँधी जयंती का आयोजन**

दिनांक 02.10.2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में महात्मा गाँधी जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति जी ने अपने विचारों कहा कि विचार-वाणी तथा कृति में समानता ही महापुरुषों के लक्षण है। कार्यक्रम के अवसर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथि प्राधयापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

❖ **संस्कृत फिल्म यानम का प्रदर्शन**

दिनांक 15.10.2022 को मंगलयान पर आधारित संस्कृत फिल्म यानम का प्रदर्शन विश्वविद्यालय द्वारा करवाया गया। जिसमें प्रदेश के उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ. मोहन यादव के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी., कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी, समस्त शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं बटुक ने यानम का प्रीमियर शो देखा। संस्कृत चलचित्र यानम के प्रसारण में इसरो पूर्व निदेशक पद्मभूषण डॉ. राधाकृष्णन जो कि मंगलयाँ टीम के लीडर थे द्वारा लीड रोल निभाया है। इस आयोजन में संस्कृत विश्वविद्यालय की विशेष सहयोगी स्मार्ट सिटी कम्पनी फिल्म के निदेशक विनोद मनकार, निर्माता ए.बी. अनूप उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्माता निदेशक का अभिनन्दन कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

❖ **संविधान दिवस का आयोजन**

विश्वविद्यालय परिसर में संविधान दिवस के अवसर पर शपथ विधि का कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 29.11.2022 को किया गया। माननीय कुलपति जी द्वारा अपने उद्बोधन सहित समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों को शपथ दिलाई गई।

❖ **राष्ट्रीय गणित दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 23.12.2022 को श्रीनिवास रामानुज जयंती पर भारतीय गणित परंपरा पर केन्द्रित व्याख्यान का आयोजन किया। जिसमें अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेश कुमार ने किया तथा आभार डॉ. शुभम शर्मा विभागाध्यक्ष ने माना।

❖ **क्लीन इंडिया अभियान-2 पर आयोजित कार्यक्रम**

युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाये जा स्वच्छ भारत क्लीन इंडिया अभियान-2 के अंतर्गत विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. उपेन्द्र भार्गव के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान कार्यकम संचालित हुआ। कार्यक्रम पश्चात् कुलपति माननीय प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने अपने वक्तव्य प्रदान किये।

❖ **त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी**

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में वास्तु शास्त्रीय नगर नियोजन एवं राजाभोज विषय पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली से पधारे डॉ. अशोक थपलियाल द्वारा प्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. आर.सी. ठाकुर को भोज गौरव सम्मान से विभूषित किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी उपस्थित रहे तथा आभार डॉ. शुभम शर्मा ने माना।

❖ **भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर कार्यक्रम**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय देवास मार्ग उज्जैन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए माननीय कुलपति जी ने प्रधानमंत्री जी के राष्ट्र के हितार्थ, सिद्धांतों और संस्मरणों को मंच से साझा किया। कार्यक्रम में डॉ. तुलसीदास परौहा, डॉ पूजा उपाध्याय, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ उपेन्द्र भार्गव, डॉ शुभम शर्मा, डॉ सङ्कल्प मिश्र आदि ने सम्बोधित किया।

❖ **युवा महोत्सव-2022 का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के उपलक्ष्य में युवा उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 22 विधाओं में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गयी। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के सभी संस्कृत महाविद्यालय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शुभम शर्मा ने दलों की अगवानी की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश चौबे द्वारा किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया तथा आभार कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने माना।

❖ **नि: शुल्क योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केंद्र की स्थापना**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केंद्र स्थापना की। जिसमें नि: शुल्क योगाभ्यास, योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। नित्य योग द्वारा दिनचर्या में अनियमितता के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों का योगिक उपचार भी किया जाएगा। उक्त केंद्र की स्थापना में माननीय कुलपति जी एवं कुलसचिव जी उपस्थित रहे।

❖ **गीता जयंती पर कार्यक्रम**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में गीता जयंती का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में महंत रोहित शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित रहे। गीता जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्पूर्ण गीता पाठ करवाया गया तथा महंत रोहित शास्त्री द्वारा गीता की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति जी ने गीता के अध्ययन की विशेषता बताई तथा कुलसचिव जी आभार माना।

❖ **श्री महाकालेश्वर एवं केदारनाथ ज्योतिर्लिंग लोकचर्चा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविश्वविद्यालय, नईदिल्ली तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा श्री महाकालेश्वर एवं केदारनाथ ज्योतिर्लिंग लोकचर्चा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 10.12.2022 को किया गया। जिसमें भारत के अनेक विद्वानों ने महाकाल उज्जैन में आध्यत्म के साथ वैज्ञानिकता पर आधारित विषयों पर लोक चर्चा की। उक्त कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मन्त्री विशिष्ट अतिथि, माननीय कुलपति जी अध्यक्ष रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी द्वारा किया गया तथा आभार कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने माना।

❖ **शिक्षक दिवस का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 05.09.2022 को माननीय कुलपति जी अध्यक्षता में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रो. विजय कुमार सी. जी. द्वारा बताया गया कि शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माण का आधार है। छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षक सदैव छात्र को प्रेरित करता है तथा उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा समस्त प्राध्यापकों एवं अतिथि प्राध्यापकों का सम्मान किया गया। जिसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विश्वविद्यालय समन्वयक, जनसंपर्क अधिकारी, अकादमिक शाखा, गोपनीय शाखा, वित्त शाखा, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आदि उपस्थिति रहें।

❖ **भारत सरकार की अष्टादशी परियोजना**

भारत सरकार के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अष्टादशी परियोजना के अंतर्गत महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन को भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित शास्त्रार्थ कौशल प्रशिक्षण चलचित्र निर्माण शास्त्र सुधा परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। जिसके शुभारम्भ कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने शुभारम्भ किया एवं व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी ने संचालन किया तथा आभार कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने माना ।

❖ **देवी पूजन विधान प्रशिक्षण का शुभारम्भ**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्धन केंद्र के द्वारा देवी पूजन पाठ विधान प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय कुलपति जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रदान कर अभ्यर्थियों को सम्बोधित किया। केंद्र निदेशक डॉ. अखिलेशकुमार द्विवेदी ने प्रशिक्षण के महत्व को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन वैयाकरण डॉ. दिनेश चौबे ने किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में वेद विभाग के आचार्य डॉ. अंकित शाण्डिल्य एवं व्याकरण विभाग के आचार्य डॉ. दिनेश चौबे उपस्थित रहे।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा दिनांक 09.03.2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. ज्योत्सना शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उक्त कार्यक्रम माननीय कुलपति जी द्वारा समस्त महिला मण्डल का उत्तरीय एवं श्री फल से सम्मान किया। इस कार्यक्रम में व्याख्यान हेतु भारतीय शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष डॉ. प्रेरणा मनाना उपस्थित रही । कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुपाली सारये ने किया तथा आभार कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी ने माना।

❖ **ग्राम वास्तु प्रेक्षण परियोजना का शुभारम्भ**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम वास्तु प्रेक्षण परियोजना का शुभारम्भ किया गया। उक्त कार्यक्रम में चल मिले गांव की चौखट पे ग्रामीण धरोहर को सहेजने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक नवीन किया गया दिनांक 18.4.2023 को इसका थीम सॉग (शीर्षक गीत) प्रसारित किया।

❖ **तिरुपति में प्रतिभा प्रदर्शन**

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के छात्र उद्धव पुराणिक ने दर्शन विभाग से न्याय भाषण प्रतियोगिता में रजत पदक, नीता शर्मा वेदान्त भाषण में कांस्य पदक प्राप्त किया। इसमें छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शुभम शर्मा ने मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। विजेताओं को कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा सम्मानित किया।

❖ **राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का आयोजन**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्थापन दिवस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24.9.2022 को किया। स्थापना दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण, वृक्षारोपण एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। पदाधिकारियों सहित रासेयो के छात्रों की उपस्थिति रही।

❖ **भगतसिंह जयंती का आयोजन**

दिनांक 28.9.2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शहीद भगतसिंह जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अवसर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अतिथि प्राधयापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति रही।

❖ **अखिल भारतीय कालिदास समारोह**

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृत विभाग के तत्वावधान में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन और कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृत परिषद् द्वारा अखिल भारतीय कालिदास समारोह तथा अखिल भारतीय संस्कृत कवि समवाय का आयोजन किया, जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने की।

❖ **विवेकानन्द जयन्ती-युवा दिवस**

दिनांक 12 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस (राष्ट्रीय युवा दिवस) के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने की तथा विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के शिक्षकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में बौद्धिक स्वतंत्रता पर व्याख्यान योग विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

❖ **गणतन्त्र दिवस**

दिनाङ्क 26/01/2023 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापक, कर्मचारी तथा छात्रगण उपस्थित रहे। ध्वजवन्दन के उपरान्त विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने कहा कि हमारे संस्कृत क्षेत्र में गणतन्त्र की अवधारणा कोई नवीन बात नहीं है। वैदिक काल में ही गणतन्त्र का स्वरूप स्पष्ट हो चुका था। हमारा विश्वविद्यालय निश्चय ही अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करेगा। अपने उद्बोधन में कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार को गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

❖ **शहीद दिवस**

दिनाङ्क 30/01/2023 को महात्मा गांधी की पुण्य तिथि शहीद दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा गांधीजी के सम्मान में दो मिनिट मौन रखकर उनके चरणों में श्रद्धांजलि समर्पित की। कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. ने विश्वविद्यालय परिवार को मद्यनिषेध के पालन तथा प्रचार की शपथ दिलाई।

❖ **वसन्तोत्सव**

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में वसन्तपञ्चमी के अवसर पर भगवती सरस्वती की पूजन के साथ वसन्तोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत काव्यपाठ तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयीं। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने छात्रों को शुभकामना प्रेषित कर कहा कि वसन्तपञ्चमी ऋतु परिवर्तन का दिवस है। इस दिन प्रकृति भी हँसती है।

❖ **अम्बेडकर जयंती**

दिनाङ्क 14/04/2023 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर माननीय कुलपति विजय कुमार सी.जी. की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार सहित छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि स्वरुप पुष्प अर्पित किये।

❖ **विश्व पर्यावरण दिवस**

दिनांक 05/06/23 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्य किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. ने विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के समीप में बरगद का वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया। इस अवसर पर माननीय कुलपतिजी ने कहा कि संस्कृत साहित्य एवं भारतीय विद्याओं में प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के जो सरल सहज एवं नैसर्गिक उपाय बताए गए हैं हमें उनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने वराहमिहिर के ग्रन्थ बृहत्संहिता में वर्णित वृक्षायुर्वेद का विशेष रूप से उल्लेख किया। वृक्षों के महत्त्व एवं स्वभाव को साहित्य के आलोक में समझने का आग्रह किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दिलीप कुमार सोनी, विभागाध्यक्ष डॉ. तुलसीदास परौहा, एन.एस.एस.प्रभारी डॉ. उपेन्द्र भार्गव एवं छात्रवृत्ति प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। व्यवस्थापन श्री केशव श्रोत्रिय, श्री शंकर सिंह खीची, श्री देवीसिंह, श्री महेंद्र बाघेला, श्री योगेन्द्र कुशवंसी ने किया।

❖ **बिरसामुण्डा पुण्यतिथि**

दिनांक 08/06/23 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय आदिवासी स्वतन्त्रता सेनानी बिरसामुण्डा की पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस**

दिनाङ्क 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, म.प्र. द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार सी.जी. द्वारा विभिन्न रोगों के उपचार में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सामुहिक योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन योग विभाग द्वारा किया।

सहभागिता कार्यक्रम

1. प्रवेश प्रक्रिया प्रशिक्षण

दिनांक 09 जून 2022 महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय एवं आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा प्रवेश प्रक्रिया का प्रशिक्षण शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक को प्रवेश से सम्बंधित जानकारी प्रदान कर प्रशिक्षित किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षक रूप में प्रोफेसर अरुण कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे।

2. योग प्रशिक्षण

दिनांक 21 जून 2022 महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की योग प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में विभागीय आचार्यगण उपस्थित रहे।

3. वि.वि. साफ्टवेयर/बेवसाइट संचालन प्रशिक्षण

दिनांक 02 जून 2022 को विश्वविद्यालय में साफ्टवेयर/ वेबसाइट संचालन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकके रूप में श्री संजय व्यास, एनटायर टेक्नोलाजी, उज्जैन उपस्थित रहे। जिनके द्वारा वेबसाईट तथा उसके सहयोगी साफ्टवेयर विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला के अर्न्तगत प्रदान किया गया है।

4. संस्कृतसम्भाषणवर्ग

दिनांक 08 अगस्त 2022 से 10 अगस्त 2022 तक महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये त्रिदिवसीय संस्कृतसम्भाषणवर्ग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

5. संगणक यन्त्र अभियांत्रिकी प्रशिक्षण

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में दिनाक 25/08/2022 से 29/08/2022 तक संगणक यन्त्र अभियांत्रिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संगणक अभियांत्रिकी के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

6. ई- गवर्नेन्स प्रोग्राम वर्कशॉप

दिनांक 21/09/2022 से 23/09/2022 विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा ई-गर्वेनेन्स प्रोग्राम वर्कशाप का आयोजन किया गया। जिसमें इलेक्ट्रिनिक माध्यम से शासकीय सेवाओं को सुचारू से संचालित करने के लिये प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता प्रदान की।

7. राजभाषा प्रशिक्षण

दिनांक 14 नवम्बर, 2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये एकदिवसीय राजभाषा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

8. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग प्रशिक्षण

दिनांक 18/12/2022 से 24/12/2022 **तक** विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा ई-गर्वेनेन्स के चलते कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की।

9. Faculty Development Program

दिनांक 02/01/2023 से 08/01/2023 तक विश्वविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र के निर्देशन में सप्तदिवसीय ऑनलाइन Faculty Development Program का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने सहभागिता प्रदान की।

10. गोपनीय परीक्षा कार्य प्रशिक्षण

दिनांक **01/01/2023 से 03/01/2023 तक** महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये गोपनीय/परीक्षा कार्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ.उमाशंकर जी पुरोहित, सहायक प्राध्यापक, मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग उपस्थित रहे।

11. प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

दिनांक 15 फरवरी, 2023 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में एकदिवसीय प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त शैक्षणिक प्राध्यापक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

12. रुद्राभिषेकपूजन विधान प्रशिक्षण

दिनांक – 10 से 17 फरवरी 2023 तक विश्वविद्यालय में रूद्राभिषेक पाठ विधान कार्यशाला का आनलाइन माध्यम से आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थिति रहे।

13. ई- फाइलिंग कार्यशाला

विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा 03 से 07 मार्च 2023 तक ई-फाईलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला कोषालय अधिकारी श्री भरत कुमार जी, जिला कोषालय

अधिकारी,उज्जैन वित्त विभाग मध्यप्रदेश शासन उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की।

14. दूर्गापूजनपाठ विधान प्रशिक्षण

दिनांक- 30 मार्च 2023 को विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षणज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र द्वारा तथा वेद एवं व्याकरण विभाग के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से दूर्गापूजनपाठ विधान कार्यक्रम का आयोजन शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए किया गया।

15. देवीपूजनविधान प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र तथा वेद एवं व्याकरण विभाग द्वारा दिनांक- 22/04/2023 एवं 23/04/2023 को ऑनलाइन माध्यम से श्रीसूक्त पाठ विधि विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

16. देवीपूजन पाठ माहात्म्य

दिनांक- 06/04/2023 एवं 07/04/2023 को विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र द्वारा ऑनलाइन माध्यम से देवीपूजन पाठ माहात्म्य विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

17. श्रीसूक्त पाठ विधि प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण ज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र द्वारा दिनांक-22/04/2023 एवं 23/04/2023 को ऑनलाइन माध्यम से श्रीसूक्त पाठ विधि विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

18. कम्प्यूटर प्रवीणता प्रशिक्षण

दिनांक 25/04/2023 से 28/04/2023 तक विश्वविद्यालय के आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु कम्प्यूटर प्रवीणता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ.ब्रह्मदत्त शुक्ला उपस्थित रहे।

19. सेक्रेट्रियल प्रेक्टिस प्रशिक्षण

दिनांक 04 से 08 मई 2023 तक विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये सेक्रेट्रियल प्रेक्टिस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य प्रशिक्षक में रूप में मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग मंत्रालयीन सेवा के श्री आर.सी मित्तल ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

20. Yoga Camp for local communities - स्थानीय समुदायों के लिए योग शिविर योग दिवस के उपलक्ष्य में महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा |जून तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये 21 से 17
21. 84 Mahadev Yatra - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के वेद विभाग द्वारा प्रेरणा कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक यात्रा)84 महादेव यात्रा का शुभारंभ शनिवार (15 जुलाई को किया गया। चौरासी महादेव यात्रा के अंतर्गत श्री अगस्त्येश्वर महादेव से प्रारम्भ कर कुल चौदह महादेवों के दर्शन किये गये।
22. Arrival of ISRO Chairman in 4th convocation - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए इसरो चेयरमैन डॉमहर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का चौथा ,श्रीनाथ सोमनाथ . दीक्षांत समारोह बुधवार को विक्रमकीर्ति मंदिर में आयोजित किया गया।
23. University Meets/championships - विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न किया गयाजिसमे , |विश्वविद्यालय के अनेक महविद्यालय के विद्यार्थीयो ने भाग लिया

24. Panineshwar Rudra Abhishek - विश्वविद्यालय में स्थित पाणिनेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक का कार्यक्रम संपन्न किया गया|
25. Sickle cell anemia testing camp – दिनांक 30.9.2022 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रतलाम जिले की बाजना तहसील के कुंदनपुर गांव का निरीक्षण किया गया। इसके अन्तर्गत सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन को ध्यान में रखते हुए गांव में परिवारों के साथ संपर्क एवं संवाद के माध्यम से रोगियों की पहचान सुनिश्चित की गई।
26. Cleanliness campaign of women – महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन में दिनांक 01.10.2022 को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी वर्ग ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। विश्वविद्यालय के लगभग 50 छात्र उपस्थित हुए और कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ।
27. Women empowerment – विश्वविद्यालय में दिनांक 8.02.2023 को एम ए योग एवं एम एस सी योग की छात्राओ द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर योग डेमो नृत्य कार्यक्रम का योजन किया गया। जिसमे छात्राओ द्वारा महिला सशक्तिकरण गीत पर नृत्य किया गया। जिसमे 40 छात्र छात्राए उपस्थित थे और कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।
28. Strength of women in multidisciplinary – विश्वविद्यालय के योगेश्वर श्रीकृषण भवन में दिनांक 09.03.2023 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आजके समय में नारी की विभिन्न क्षेत्रो में प्रतिभागिता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. विजयकुमार सी. जी ने अपना उद्बोधन प्रदान किया। मुख्यवक्ता के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद भाशिम मालवा प्रान्तप्रमुख डॉ प्रेरणा मनाना उपस्थित थे।
29. Rangoli competition – दिनांक 01.03.2022 को विश्वविद्यालय में छात्रकल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा रङ्गवल्ली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्राओं ने पुरस्कार प्राप्त किया। विश्वविद्यालय में समय समय पर ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। और जो छात्र इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करते हैं उन छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा पुरे भारत में प्रतिस्पर्धा के लिए भेजा जाता है।
30. Nivedita endeavor for social transformation – दिनांक 05 जून 2023, विश्वविद्यालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बेटियों के द्वारा सञ्चालित निवेदिता एंडेवर फॉर सोशल ट्रॉन्स्फॉरमेशन संस्था के संयुक्त तत्त्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. विजयकुमार सी.जी. एवं आदरणीय कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी जी ने पौधारोपण किए। एवं विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण एवं कर्मचारीगण एवं साथ ही साथ निवेदिता ग्रुप की बेटियों के द्वारा पौधारोपण कर नारी के विभिन्न क्षेत्रो में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रेरणा भरा संवाद किया।
31. Free Yoga training and yoga therapy centre - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा जन को लाभ पहुचाने के लिए योग विभाग द्वारा-को योग अभ्यास का जन 2022/12/01**निशुल्क योग प्रशिक्षण एवं योग चिकित्सा केंद्र** का शुभारम्भ श्रीकृष्णा योग भवन में किया गया|
32. Free treatment training workshop - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक को 2023/02/15 डॉ नरेन्द्र गया द्वारा**एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला** का आयोजन किया गया|
33. Gram vastu prekhan by Jyotish and Jyotirvigyan Department - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक को ग्रामीण विरासत को बचाने के लिए 2023/04/18**वास्तु अवलोकन परियोजना** की शुरुवात की गयी।

विश्वविद्यालयीन प्रकाशन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा शोध, अनुसंधान एवं गवेषणा की प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से त्रैमासिक सान्दर्भिकशोधपत्रिका **पाणिनीया ISSN-2321-7626** का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है। पत्रिका में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों के शोधालेख प्रकाशित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालयीन ग्रन्थालय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों, शोधार्थियों की अकादमिक सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समृद्ध ग्रन्थालय स्थापित किया गया है। ग्रन्थालय में छात्रों की सुविधा के लिये तथा शोध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वेद,व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, पुराण, इतिहास, उपनिषद् आदि के संस्कृत ग्रन्थ तथा सन्दर्भ ग्रन्थ, कोषग्रन्थ, आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि ग्रन्थ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में विविध विषयों की 3500 से अधिक शीर्षक उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी तथा शोध पत्रिकाएँ भी प्राप्त की जा रही हैं। शोधोपयोगी सान्दर्भिक ग्रन्थों का क्रयण भी विचाराधीन है।

- **गोदग्राम**

विश्वविद्यालय द्वारा दो ग्राम गोद लिए गये हैं। ग्राम चन्देसरी (प्रेमनगर) तथा मानपुरा में शासकीय योजनाओं का प्रचार, जनजागरुकता कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण आदि के कार्य सुचारु हैं।

महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

(1) शासकीय अभयानन्द संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)

महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, शहीद दिवस, मतदाता दिवस, विश्व योग दिवस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(2) **शासकीय संस्कृत महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, संस्कृत सप्ताह, गांधीजयन्ती, सरस्वती जन्मोत्सव आदि कार्यक्रमों का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। गोदग्राम में एन.एस.एस. द्वारा पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बालकृष्ण शर्मा की दो पुस्तकों, कोरोना-कोपशतकम् तथा ध्वनिप्रकाशे मुक्तकविमर्शः का प्रकाशन हुआ। छात्रों ने सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं अन्य सहगामी कार्यक्रमों में भाग लेकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

(3) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला-सीधी (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, गीता जयन्ती, विवेकानन्द जयन्ती, विश्व योग दिवस तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

(4) नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)

महाविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश उत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, शिक्षण संगोष्ठी, शैक्षणिक भ्रमण, वृक्षारोपण कार्यक्रम, गुरुपूर्णिमा महोत्सव आदि का आयोजन किया गया।

(5) श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, सम्भाषण शिविर, रामनवमी पर्व, वाल्मीकि समारोह आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

(6) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, पन्ना (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गांधी जयन्ती, युवा दिवस, संविधान दिवस तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

(7) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इन्दौर में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम, शिक्षक अभिभावक योजना, पूर्व छात्र संगठन, संस्कृत सप्ताह, गुरु पूर्णिमा, तुलसी जयन्ती, सद्भावना दिवस, पर्यावरण संरक्षण आदि अनेक कार्यक्रमों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मास्क जागरुकता, नशामुक्त भारत अभियान आदि कार्य किये गये। विश्वविद्यालय के युवमहोत्सव में महाविद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

(8) श्री मानमल मीमराज रुइया, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, मतदाता जागरुकता दिवस, वसन्त उत्सव, संविधान दिवस, सुशासन दिवस आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के युवमहोत्सव में सहभागिता की। नशामुक्ति अभियान, गुणवत्ता विकास कार्यशाला, आजादी का अमृत महोत्सव आदि का आयोजन किया गया।

(9) ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(10) शासकीय रामानंद संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह सम्बन्धी गतिविधियाँ, श्लोकपाठ, संस्कृत भाषण आदि के साथ विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ सञ्चालित हुई। एन एस एस द्वारा बररखा गोद ग्राम में कार्य किये गये।

(11) श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

महाविद्यालय द्वारा संस्कृत, प्राकृत तथा पाली भाषाओं के प्रचार प्रसार के साथ विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किये गये।

(12) श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय, रावतपुरा धाम (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती आदि पर्व मनाये गए। महाविद्यालय में विभिन्न क्रीडा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया।

(13) श्री गणेश संस्कृत महाविद्यालय, गढ़ाकोटा, जिला सागर (म.प्र.)

महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का ऑनलाइन सञ्चालन किया गया।

(14) शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र.)

महाविद्यालय में वसन्तपञ्चमी पर सरस्वती पूजन आदि गतिविधियाँ सञ्चालित हुई।

(15) श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया, (म.प्र.)

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, लालबहादुर शास्त्री जयन्ती, धन्वन्तरी जयन्ती, गीता जयन्ती, युवा महोत्सव, माँ पीताम्बरा जयन्ती आदि विभिन्न गतिविधियों का सञ्चालन किया गया। दशदिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का सञ्चालन भी किया गया।

(16) शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल सतना (म.प्र.)

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि पर्व मनाये गये तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधिओं का आयोजन किया गया।

वार्षिक वित्तीय प्राक्कलन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

उपयोगिता प्रमाण-पत्र

वर्ष 2022-2023

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग/आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल द्वारा निम्नानुसार खण्ड संधारण अनुदान जो कि इस विश्वविद्यालय को वर्ष 2022-23 के लिए राशि 227.33 लाख इस विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृत किया गया है। जिसमें से राशि रुपये 227.33 लाख ही बैंक में जमा किये गये।

प्रमाणित किया जाता है कि रुपये 227.33 लाख का उपयोग जिस कार्य हेतु प्रदान किया गया था, उसे उसी कार्य में उपयोग किया गया है-

क्र.	विवरण आय	राशि (लाख में)	क्र.	विवरण आय	राशि (लाख में)
1.	शासन द्वारा प्राप्त	227.33	1.	अधिकारियों/शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन	207.40
			2.	अतिथि शिक्षक वेतन	69.39
			3.	पारिश्रमिक दै.वे.भो.	21.27
			4.	आउटसोर्स	18.41
			5.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन	4.87
			6.	कर्मचारी राज्य बीमा निगम	8.85
			7.	एन.पी.एस. एवं एनएसडीएल चार्ज	20.82
			8.	परीक्षा	18.81
			9.	डाक	.40
			10.	स्टेशनरी	.49
			11.	वाहन संधारण	1.06
			12.	न्यूज पेपर	.19
			13.	यात्रा भत्ता	1.88
			14.	प्रिंटिंग	12.93
			15.	फोटोकॉपी मशीन क्रय एवं संधारण	2.21
			16.	कुलपति निवास किराया	2.77

			17.	विविध व्यय	2.65
			18.	पेट्रोल	2.86
			19.	विद्युत एवं संधारण	2.35
			20.	पुस्तक/पत्रिका (पनिनिधारा एवं पाणिनीया)	3.66
			21.	योग भवन निर्माण	7.49
			22.	मानदेय (कार्यपरिषद् एवं अन्य)	.91
			23.	अखिल भारतीय प्रतियोगिता (योगासन)	.16
			24.	फिल्म फेस्टीवल	.93
			25.	युवा उत्सव	1.75
			26.	जूम प्लान एवं नेटवर्किंग	1.83
			27.	कंप्यूटर एवं प्रिंटर क्रय	4.30
			28.	फर्नीचर क्रय एवं रिपेयरिंग	3.54
			29.	बैटरी	.81
			30.	कूलर क्रय	.83
			31.	ई-वे प्रवेश	9.41
			32.	ए.सी. क्रय एवं रिपेयरिंग	1.06
			33.	टेक्सी किराया	2.60
			34.	स्थापना दिवस	3.41
			35.	टेलीफोन	.18
			36.	सी.ए.	.24
			37.	संगोष्ठी	.32
			38.	कंप्यूटर संधारण	.76
			39.	दीक्षान्त	4.10
				कुल योग	**447.90**
				अवशेष राशि (-)	**220.57**
	योग	**227.33**		**योग**	**227.33**

उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिनांक 01-04-2022 से 31-03-2023 तक का है।

कुलसचिव

उपसंहार

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में राज्यपाल सचिवालय, मध्यप्रदेश शासन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, महाविद्यालयों के शिक्षक और छात्र, समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के नागरिकगणों, विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों के अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सहयोग और सहायता के लिये विश्वविद्यालय कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

कुलसचिव